

## बरौनी रफाइनरी को मलिा सर्वश्रेष्ठ रफाइनरी का पुरस्कार

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के उच्च प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएचटी) ने बहिर के बेगूसराय ज़िले में स्थित बरौनी रफाइनरी को 09 एमएमटीपीए से कम क्षमता की श्रेणी के तहत प्रतष्ठित सर्वश्रेष्ठ रफाइनरी प्रदर्शन सुधार पुरस्कार से सम्मानित किया।

### प्रमुख बदि

- वदिति है कि 9-11 अक्टूबर तक नई दलिली में सीएचटी द्वारा आयोजित 26वीं ऊर्जा प्रौद्योगिकी बैठक में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और आवास एवं शहरी मामले मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री हरदीप सहि पुरी ने इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्रीकांत माधव वैदय, नदिशक (रफाइनरीज़) शुक्ला मसित्री एवं बरौनी रफाइनरी के कार्यपालक नदिशक एवं रफाइनरी प्रमुख आर.के. झा को यह पुरस्कार प्रदान किया।
- 26वीं ऊर्जा प्रौद्योगिकी बैठक का वषिय 'उभरती ऊर्जा प्रवृत्तियाँ और रफाइनिंग का भवषिय' था और इसमें दुनयिा भर के लगभग 1400 प्रतनिधियों और वक्ताओं ने भाग लिया।
- पुरस्कार का मूल्यांकन वतित वर्ष 2022-23 के लयिे सात महत्त्वपूर्ण मापदंडों पर आधारित था।
- बरौनी रफाइनरी ने 2022-23 के दौरान क़ूड थरुपुट 6785.40, एमबीएन 71.24, परचालन उपलब्धता 99.90 प्रतशित, परचालन लागत 1.92 डॉलर/बीबीएल, वशिषिट भाप खपत 0.90, ऊर्जा संरक्षण उपाय 18807 एसआरएफटी/वर्ष, वशिषिट जल खपत 0.83 तथा कार्बन उत्सर्जन तीव्रता 1459.50 टीएमटी सहति सभी पैरामीटर पर देश में नौ एमएमटीपीए से कम क्षमता वाली सभी रफाइनरियों से बेहतर प्रदर्शन किया।
- गौरतलब है कि इंडियन ऑयल की एक राज्य स्वामतिव वाली बरौनी रफाइनरी का नरिमाण सोवयित संघ के सहयोग से रोमानयिा की सीमति भागीदारी के साथ 49.40 करोड़ रुपए की लागत से 1964 में 1 मिलियन मीटरकि टन प्रतवर्ष शोधन की क्षमता के साथ किया गया था। 15 जनवरी, 1965 में तत्कालीन पेट्रोलियम मंत्री डॉ. हुमायूँ कबीर द्वारा इसे राष्ट्र को समर्पित किया गया था।
- गौरतलब है कि भई 2022 में बरौनी रफाइनरी में ऊर्जा कुशल संचालन की दशिा में एक नई पहल के रूप में, भारत का पहला और दुनयिा का तीसरा ग्रीन कूलिंग टॉवर कमीशन किया गया था।

